

JCPL

(3)



(3) 01/03/2005

04DD 688285

(3)

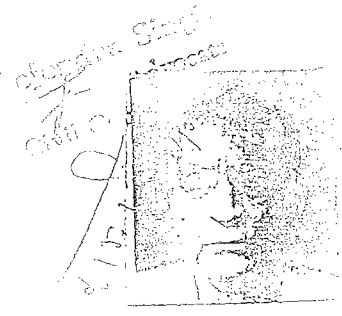
विक्रय पत्र अंकन -22,96,512/-रुपये ।

जिस पर स्टाम्प अंकन-2,30,000/-रुपये का इस प्रकार
दिसा है कि अंकन 92,000/-रुपये का रजिस्टर्ड इकरारनामा
महायदावय तारीखी 01-03-2005 को दिया है तथा संप
अंकन-1,38,000/-रुपये का इस विक्रय पत्र में अदा किया
गया है।

विक्रय भूमि का विवरण:- ग्राम शाहपुर बम्हैटा परगना हासना
तहसील व जिला गाजियाबाद में खाता संख्या 780 खसरा नम्बर
743 रकबा 0.240 हैक्टेयर जो विक्रय की जा रही है विक्रेता का
नम्बर तथा रकबा तपरोक्त में कोई भाग शेक नहीं रहा है।

सामाजिक

11/





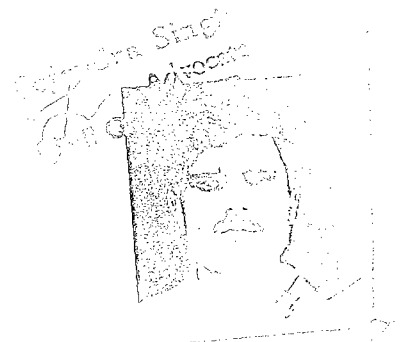
04DD 688284

(2)

विक्रय भूमि कृषि भूमि है कृषि हेतु विक्रय की जा रही है विक्रय भूमि के चारों ओर 200 मीटर से अधिक तक कृषि कार्य हो रहा है विक्रय भूमि मुख्य मार्ग से 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है विक्रय भूमि ग्राम समाज पट्टा व भूदान की नहीं है विक्रेता अनुसूचित जाति व जनजाति से नहीं है भारत का नागरिक है

शमशेर

JK





04DD 688283

(3)

विक्रय भूमि के आस पास का भाव कम है। निर्धारित दर 15,20,000/- रुपये प्रति एकड़ यानि 9,50,000/- रुपये प्रति बीघा पुख्ता अर्थात् 37,56,124/- रुपये प्रति हैक्टेयर से विक्रय भूमि की मालियत 9,01,469.76/- रुपये होती है स्टाम्प ड्यूटी तयशुदा कीमत पर अदा की गयी है ।

रामिठ 11/7

JK



04DD 688282

(4)

हम किं श्री रामनिवास पुत्र श्री रामचन्द्र सहाय निवासी-ग्राम
शाहपुर बम्हैटा परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद प्रथम
पक्ष विक्रेता ।

एवं जयपुरिया कोस्मेटिक्स प्रा० लि०, एस०-२५ ग्रीन पार्क मेन नई
दिल्ली द्वारा श्री जितेन्द्र सिंह पुत्र श्री नेत्रपाल सिंह निवासी-ग्राम
मकनपुर तहसील व जिला गाजियाबाद द्वितीय पक्ष क्रंता ।

दाता/प्राप्त

४५

Div 2

(5)

0909.





20 JUN 1977

(6)

लोन, बैंक लोन, सरकारी मतालबा, वाद विवाद से पाक साफ है किसी दूसरी जगह किसी तौर पर मुन्तकिल नही है विक्रय करने में अति लाभ है कीमत उचित मिल रही है अतः अब मुझ विक्रेता ने सालिम भूमि उपरोक्त को यानि अपने संपूर्ण भाग की भूमि रकबई 0.240 हैक्टेयर को अपनी खुशी व रजामन्दी, शुद्ध बुद्धि स्वस्थ

1/11

राजकिशोर



20 JUN 1964

003154

(7)

इन्द्रियों से मय समस्त अधिकार बालिकागा आबिजाता दाखिली
खारिजी अधिकार काश्त थराई हर किसममय कब्जा गर्ज कि जो
कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रय धूमि मे प्राप्त थे उससे
कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि-आदि को आज की तारीख से

राजगिरा

/11



22 JUL 2005

रु. पाँच हजार रुपये

(8)

153613

बदले अकल 22,96,512/-रुपये (बाईस लाख छियासठे हजार पाँच सौ बारह रुपये) आधे जिसके 11,48,256/-रुपये होते हैं मैं वहक द्वितीयपक्ष क्रेता उपरोक्त के बय कतई किया तथा बेच दिया कुल कीमत विक्रेता ने क्रेता से निम्नानुसार वसूल पा ली है कुछ बाकी नहीं रहा है कब्जा मौकें पर क्रेता का करा दिया है क्रेता कारत

श्री अश्विनी

1/8



(9)

153619

करे या विक्रय करे कुछ छजर नहीं होगा। राजपत्रों में विक्रय भूमि पर क्रेता का नाम दर्ज होगा नाम दर्ज होने से जहाँ कहीं भी विक्रेता के हस्ताक्षरों या राजामन्दी की आवश्यकता पड़ी तो विक्रेता सहर्ष करेगा। गार्ज की आज से विक्रेता ने क्रेता को मालिक मुस्तकिल कर दिया अब विक्रेता व वारसान विक्रेता का कोई

21/06/05

21/06/05

7/11

7129117

किन्तु मैं अतः संकोच नहीं करता कि यदि किसी व्यक्ति को यह पता चले कि मैंने इस पत्र को
 किसी को भेजा है तो मैं उसे क्षमा कर दूंगा। मैं इस पत्र को भेज रहा हूँ कि मैंने इस पत्र को
 किसी को भेजा है तो मैं उसे क्षमा कर दूंगा। मैं इस पत्र को भेज रहा हूँ कि मैंने इस पत्र को
 किसी को भेजा है तो मैं उसे क्षमा कर दूंगा। मैं इस पत्र को भेज रहा हूँ कि मैंने इस पत्र को
 किसी को भेजा है तो मैं उसे क्षमा कर दूंगा। मैं इस पत्र को भेज रहा हूँ कि मैंने इस पत्र को
 किसी को भेजा है तो मैं उसे क्षमा कर दूंगा। मैं इस पत्र को भेज रहा हूँ कि मैंने इस पत्र को

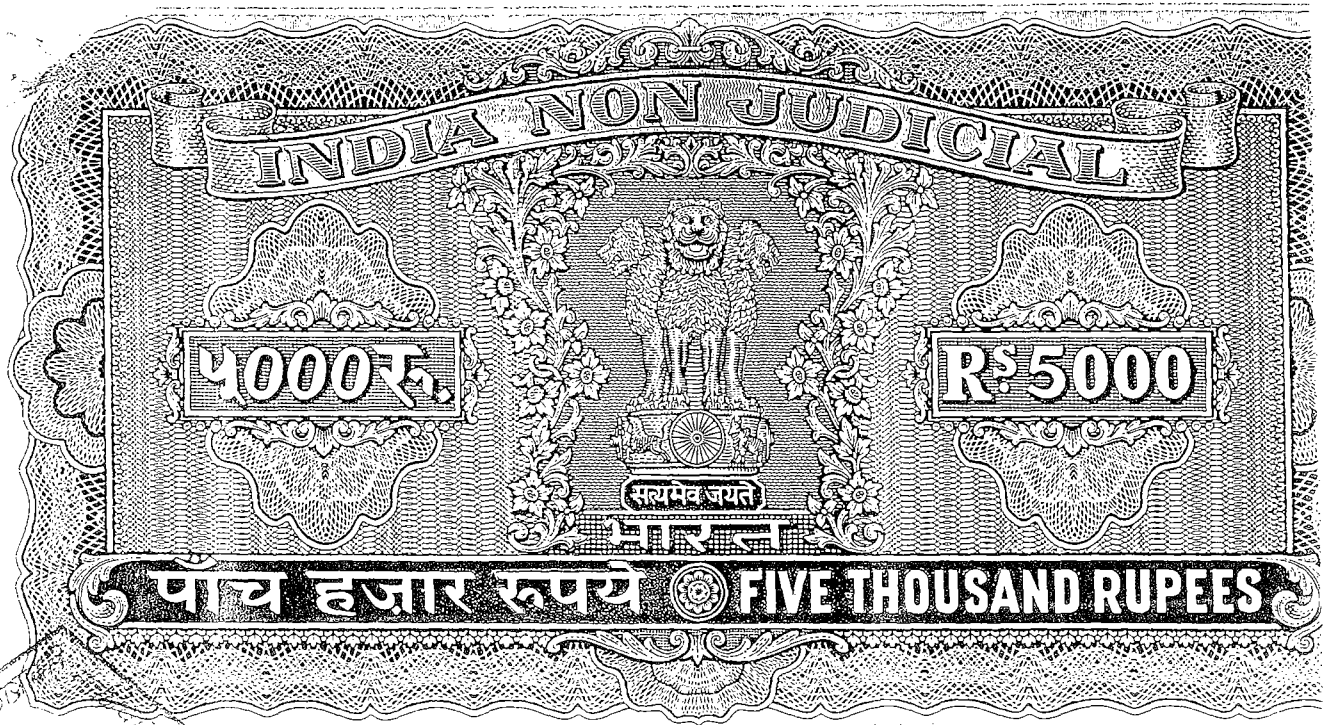
(10)

082827

20 JUN 2005



5000R



20 JUN 2005

152322

(11)

कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रय भूमि विक्रेता के अनाधिकार की वजह से या विक्रेता के दारसान या किसी सहम व शरीक की वजह से या किसी हुज्जत कानूनी या जाकारी की वजह से कब्जा कुल या जुज क्रेता से निकल जाये तो क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपने पास से अदा किये हुये जरे समन की धनराशि तथा

दायाद

JK



20 JUN 2005

503728

(12)

कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की कुल कीमत असल मय सूद मय हरजा खरचा सहित विक्रेता व वारसान विक्रेता से अदालत द्वारा वसूल कर ले। अदायगी के लिये विक्रेता व वारसान विक्रेता की जात खास व समस्त चल अचल सम्पत्ति पाबन्द रहेगी। विक्रय पत्र का समस्त व्यय क्रेता ने सहन किया है अतः यह विक्रय पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे और सत्य पर काय आवे। इति

21.06.2005

JK



20 JUN 2005

503726

(13)

विवरण वसूलयाबाँ:- कुल कीमत विक्रेता ने क्रोता से इस प्रकार वसूल पायी कि अंकन 2,78,000/-रुपये बजरिये रजिस्टर्ड इकरारनामा महायदाबय तारीखी 1-03-2005 जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सबरजिस्ट्रार साहब प्रथम गाजियाबाद में वही नं० 1 जिल्द 5919 पृष्ठ 1/24 नम्बर 1101 पर दिनांक 1-03-2005 को दर्ज होकर हुई है के द्वारा वसूल पाये व अंकन-19,72,500/-रुपये बजरिये ये आर्डर नम्बर 484056 दिनांक 20-06-2005 पंजाब नेशनल बैंक कटरा मोहन चाँदनी चौक दिल्ली के विक्रेता के नाम

41077/2007/10

11/



कोर्ट ऑफ़
20 JUN 2005
मुख्य कोर्ट दिल्ली

(14)

503730

से जारी है के द्वारा वसूल पाये व अंकन-46,012/-रुपये नगद
पेशगी वसूल पाये कुछ बाकी नहीं रहा है।

राजेश कुमार

गवाह- महिपाल सिंह रीट सेटलिंग्स Tejendra Singh
जि.स. शाहपुर ज.स. शाहपुर ज.स. शाहपुर
महिपाल

गवाह- सुल्ली रीट सेटलिंग्स सुल्ली
जि.स. शाहपुर ज.स. शाहपुर ज.स. शाहपुर

सुल्ली

Tejendra Singh
Court. GZR

सुल्ली

दिनांक- 24-06-2005 मसौदा
Tejendra Singh 11-247
Advocate
Civil Court. GZR P.W. UP 588/02

संख्या क्र. 26, तहसील अ. २००-४ पाणिपत

दिनांक प्रलेख नं. 1101 ... 05 ... पर प्रदत्त
 स्टाम्प शुल्क अंकन रु. 92000 ...
 इस प्रलेख पर दिये स्टाम्प शुल्क के = 91900
 वसुधैव कुटुम्बकम्

सुन रा मन्तार वासिष्ठस्य

97806

कविप्रसादः ॥ १ ॥

nothing will be the same

बही नं. I जिल्हा नं. 6089 के पृष्ठ 319 पर पृष्ठ 368
के आज दिनांक 27/6/08 को रजिस्ट्री की गई।

सं २० प्रथम
गाजियाबाद

